

प्रेषक,

कुंवर सिंह,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
प्रशिक्षण एवं सेवायोजन,
उत्तराखण्ड, हल्द्वानी,

प्रशिक्षण एवं सेवायोजन विभाग

देहरादून : दिनांक: 27 दिसम्बर, 2007

विषय: वित्तीय वर्ष 2007-08 में आयोजनागत पक्ष में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, डेलना जनपद हरिद्वार के आवासीय/अनावासीय भवनों के निर्माणाधीन भवनों हेतु धनराशि अवमुक्त किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या 9658/डीटीईयू/भवन/450/हरिद्वार/2007, दिनांक: 14 नवम्बर, 2007 के संदर्भ में एवं शासनादेश संख्या 1960/VIII/06-59-प्रशि0/2005, दिनांक 12 दिसम्बर, 2006 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, डेलना, जनपद हरिद्वार के आवासीय/अनावासीय निर्माणाधीन भवनों को पूर्ण किये जाने हेतु द्वितीय किस्त के रूप में रुपये 50,00,000/- (रुपये पचास लाख मात्र) की धनराशि संलग्न विवरणानुसार आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ एवं शर्तों के अधीन आपके निवर्तन पर रखी जा रही है कि उक्त मद में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाये। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों का उल्लंघन होता हो। जहाँ व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, वहाँ ऐसा व्यय सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जायेगा। व्यय में मितव्ययता नितांत आवश्यक है, मितव्ययता के संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/अन्य आदेशों का अनुपालन कड़ाई से सुनिश्चित किया जाये। व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा जिसके लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है।

3- स्वीकृत धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने के लिये बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों का उल्लंघन होता हो। व्यय उसी मदों/प्रयोजन में किया जायेगा, जिसके लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है। व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त किया जाना आवश्यक है।

4- शासनादेश संख्या : 1960/VIII/06-59-प्रशि0/2005, दिनांक 12 दिसम्बर, 2006 में उल्लिखित प्रस्तर-4, 5, 6, 7 तथा प्रस्तर-9 में अंकित समस्त शर्तें (1 से 9 तक) यथावत प्रभावी रहेंगी।

5- व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा, जिनके लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है।

6- कार्य करते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका, बजट मैनुअल, स्टोर पर्चेज रूल्स एवं मितव्ययता के संबंध में समय-समय पर निर्गत शासनादेशों का अनुपालन किया जायेगा।



- 7- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31-3-2008 तक पूर्ण उपयोग कर कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को प्रस्तुत कर दिया जायेगा।
- 8- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 हेतु अनुदान संख्या-16 मुख्य लेखाशीर्षक-4216-आवास पर पूंजीगत परिव्यय, 80-सामान्य, आयोजनागत-001-निर्देशन तथा प्रशासन, 07-राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों का सुदृढीकरण-00-24-वृहत् निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।
- 9- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या: यू0ओ0: 1143/XXVII(5)/2007, दिनांक: 18 दिसम्बर, 2007 के अन्तर्गत प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोपरि।

भवदीय

(कुवंर सिंह)
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 102। (1)/VIII/07-59-प्रशि0/2005, तददिनांकित :-

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- आयुक्त, गढ़वाल मण्डल।
- 3- जिलाधिकारी, हरिद्वार।
- 4- वरिष्ठ कोषाधिकारी, हरिद्वार।
- 5- परियोजना प्रबन्धक, उत्तर प्रदेश निर्माण निगम लि0 इकाई-1, हरिद्वार।
- 6- निजी सचिव, मा0 श्रम एवं सेवायोजन मंत्री।
- 7- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 8- नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- ✓ 9- एन0आई0सी0, सचिवालय, देहरादून।
- 10- वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन।
- 11- गार्ड फाईल।



आज्ञा से,


(लक्ष्मण सिंह)
अनुसचिव।

शासनादेश संख्या : 182। (1)/VIII/07-59-प्रशि0/2005, दिनांक २७ दिसम्बर, 2007 का संलग्नक :

(धनराशि लाख रुपये में)

कार्य का विवरण	कार्यदायी संस्था	स्वीकृत लागत	वर्ष 2005-06 में स्वीकृत धनराशि	वित्तीय वर्ष 2007-08 में अवमुक्त की जा रही धनराशि
1	2	3	4	5
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, डेलना, हरिद्वार के आवासीय/अनावासीय भवनों का निर्माण	उत्तर प्रदेश निर्माण निगम लि० इकाई-1, हरिद्वार	232.50	100.00	50.00
योग :-		232.50	100.00	50.00


 (लक्ष्मण सिंह)
 अनुसचिव